University in News on 12 May 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

80 क्रेडिट का होगा दो वर्षीय परास्नातक कोर्स

लविवि : अध्यादेश में किया जाएगा संशोधन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने दो वर्षीय परास्नातक कोर्स के अध्यादेश में बदलाव करेगा। इसके तहत विश्वविद्यालय पीजी के प्रत्येक सेमेस्टर को 20 क्रेडिट का करते हुए चार सेमेस्टरों में कुल 80 क्रेडिट का करेगा। इसके लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय समिति का गठन किया है।

लविवि की डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इस समय दो वर्षीय परास्नातक कोर्स क्रेडिट बेस च्वाइस सिस्टम (सीबीसीएस) प्रणाली के आधार पर चल रहा है जो वर्ष 2020 से संचालित है। इसमें एक सेमेस्टर 24 क्रेडिट का है, जो कुल 96 क्रेडिट का बनता है। वहीं नई शिक्षा नीति के हिसाब से अध्यादेश में संशोधन के बाद एक सेमेस्टर को 20 क्रेडिट करने का प्रावधान किया गया है। लविवि स्नातक व एक वर्षीय पीजी कोर्स को पहले एनईपी के अनुरूप तैयार कर चुका है। इसमें प्रत्येक सेमेस्टर के लिए 20 क्रेडिट तय किए गए हैं।

प्रो. गीतांजलि ने बताया कि अध्यादेश संशोधन के लिए कुलपति ने जो समिति बनाई है उसमें प्रो. शीला मिश्रा, प्रो. रचना मुज्जू, प्रो. रतन कुमार, प्रो. बीबी सिंह, केकेसी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. विनोद चंद्रा व आरएमपी कॉलेज के प्राचार्य शामिल हैं।

7.5 सीजीपीए से कम वाले विद्यार्थी दो वर्षीय पीजी में पाएंगे प्रवेश

- विश्वविद्यालय में एक वर्ष व दो वर्ष दोनों तरह के पाठ्यक्रमों का संचालन होगा। दो वर्षीय परास्नातक कोर्स में वे विद्यार्थी प्रवेश ले पाएंगे जिनके स्नातक तीसरे वर्ष में 7.5 सीजीपीए से कम अंक आए हो।
- वहीं इससे अधिक सीजीपीए वाले विद्यार्थी चार वर्षीय स्नातक कोर्स के चौथे वर्ष में प्रवेश ले पाएंगे। उनके लिए परास्नातक में प्रवेश लेने की कोई बाध्यता नहीं होगी। वे चार वर्षीय यूजी के बाद सीधे एकवर्षीय पीजी में या पीएचडी में प्रवेश पाने के भी योग्य होंगे।

i-NEXT PAGE 6

चार कोर्स में अब नहीं होंगे डायरेक्ट एडमिशन

LUCKNOW (11 May) : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध ऐसे महाविद्यालय जहां एम.एड, बी.एल.एड, बी.पी.एड और एम.पी.एड पाठ्यक्रम संचालित हैं, वह इन कोर्सों में सीधे प्रवेश नहीं ले सकेंगे. इनकी सभी सीटें विश्वविद्यालय की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत भरी जाएंगी. नेशनल काउंसिल फार टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) की गाइडलाइन के अनुसार लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर व लखीमपुर खीरी के संबद्ध कालेजों को निर्देश भेज दिए हैं.

कुलसचिव ने भेजा पत्र

कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह की ओर से भेजे गए पत्र के अनुसार एनसीटीई रेगुलेशन 2014 के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय एम.एड., बी.एल.एड., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. पाठ्यक्रमों में केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया से दाखिले देगा. इसके अलावा किसी भी अन्य माध्यम से इनमें प्रवेश मान्य नहीं होंगे. इसलिए ये जिन कालेजों ने अभी तक केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में आवेदन नहीं किया है वह तत्काल आवेदन करें.

केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के लिए 31 तक आवेदन

एलयू सत्र 2024-25 में भी स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत दाखिले लेगा. इससे जुड़ने के लिए कालेजों को 31 मई तक आवेदन करने का मौका दिया गया है. जो भी कालेज इस प्रक्रिया के तहत अपने यहां संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं वह निर्धारित शुल्क जमा करके पाठ्यक्रमों का विवरण निर्धारित प्रारूप पर ई-मेल lucentralizedadmissionswwy@gmail.com के माध्यम से उपलब्ध कराना होगा. केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को काउंसिलिंग के माध्यम से कालेज एवं पाठ्यक्रम चुनने का विकल्प दिया जाता है. यदि किसी पाठ्यक्रम की सीटें काउंसिलिंग से नहीं भरती है तो कालेज को नियमानुसार सीधे सीटें भरने का अधिकार होता है.

JAGRAN CITY PAGE III

चार पाठ्यक्रमों में कालेज नहीं ले सकेंगे सीधे दाखिले

लवि की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में एमएड, बीएलएड, बीपीएड व एमपीएड कोर्स चलाने वाले कालेजों को करना होगा आवेदन

जागरण लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध ऐसे महाविद्यालय जहां एम.एड, बी.एल.एड, बी.पी.एड और एम.पी.एड पाठ्यक्रम संचालित हैं। वह इन कोर्सों में सीधे प्रवेश नहीं ले सकेंगे। इनकी सभी सीटें विश्वविद्यालय की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत भरी जाएंगी। नेशनल काउंसिल फार टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) की गाइडलाइन के अनुसार विश्वविद्यालय प्रशासन ने लखनऊ, रायबरेली, हरदोई, सीतापुर व लखीमपुर खीरी के संबद्ध कालेजों को निर्देश भेज दिए हैं।

कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह की ओर से भेजे गए पत्र के अनुसार एनसीटीई रेगुलेशन 2014 के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय एम.एड., बी.एल.एड., बी.पी.एड. और एम.पी.एड. पाठ्यक्रमों में केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया से दाखिले देगा। इसके अलावा किसी भी अन्य माध्यम से इनमें प्रवेश मान्य नहीं होंगे। इसलिए ये पाठ्यक्रम चलाने वाले जिन कालेजों ने अभी तक केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में आवेदन नहीं किया है वह तत्काल आवेदन करें। अन्यथा की स्थिति में किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति के लिए महाविद्यालय स्वयं जिम्मेदार होंगे।

लवि सत्र 2024-25 में भी स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत दाखिले लेगा। इससे जुड़ने के लिए कालेजों को 31 मई तक आवेदन करने का मौका दिया गया है। जो भी कालेज अपने यहां संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं वह निर्धारित शुल्क जमा कर पाठ्यक्रमों का विवरण ई-मेल lucentralizedadmissions2024@gmail.com से उपलब्ध कराना होगा। छात्र-छात्राओं को काउंसिलिंग के माध्यम से कालेज एवं पाठ्यक्रम चुनने का विकल्प दिया जाता है।

यौन अपराध की रोकथाम पर कार्यशाला

लखनऊ : लवि के समाज कार्य विभाग व जिला विद्यालय निरीक्षक के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को ब्राइट वे पब्लिक स्कूल, बाबूगंज में पापसो अधिनियम एवं बच्चों के प्रति बढ़ते हुए यौन अपराध के रोकथाम के संबंध में कार्यशाला हुई। संस्कृति ने पास्को कानून का उद्देश्य बताते हुए बाल दुर्व्यवहार के प्रकार, कारण एवं बच्चों पर उसके प्रभाव की जानकारी दी। यह भी बताया कि पास्को अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर लागू होता है। (जास)

हास्टल आवंटन जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2023-24 में पीएच.डी. पाठ्यक्रम में दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं का हास्टल आवंटन शनिवार को जारी कर दिया। इसकी सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड की गई है। इन सभी को 17 मई तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है। (जास)

THE PIONEER PAGE 3

LU ORGANISES VOTER AWARENESS CAMPAIGN

Lucknow University conducted a voter awareness campaign on its second campus in Jankipuram. The campaign included a 'padayatra' starting from the university's second campus, where the importance of voting was explained to passersby and shopkeepers, urging them to participate in the upcoming elections on May 20. The journey from the university gate through Jankipuram crossing culminated at the university, with students chanting slogans. Present at the event were Lucknow University Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai, DSW Prof Sangeeta Sahu, and Dean of College Dr Awadhesh Tripathi among others. Another voter awareness campaign was conducted at Nepalpur crossing in Sitapur. It was led by the vice-chancellor. Students from Shri Krishna College, Sacred Heart College, and RMP College participated in this campaign. RMP College students also staged a street play to raise awareness among voters. Rai visited Shri Krishna College, addressing students and making them aware about the significance of voting. Following this, the vice-chancellor, registrar, and other faculty members from LU visited Yuvraj Dutt PG College in Lakhimpur Kheri. The VC administered an oath to the students pledging to uphold democratic traditions by voting fearlessly in all elections, irrespective of any biases or temptations.

यौन उत्पीड़न पर कार्यशाला का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय व जिला विद्यालय निरीक्षक के संयुक्त तत्वावधान में ब्राइट वे पब्लिक स्कूल में पासो अधिनियम एवं बच्चों के प्रति बढ़ते यौन अपराध के रोकथाम के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र अनुपम गुप्ता ने कार्यशाला की भूमिका तथा समाज कार्य विभाग के बारे में जानकारी दी। छात्र आनंद ने वास्तविक अनुभव एवं उदाहरण देकर बच्चों को विस्तृत रूप से जागरूक किया। अमन चौधरी और अभिषेक रघुवंशी द्वारा बच्चों से कार्यशाला से संबंधित प्रश्न किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक भी मौजूद रहे।

लविवि के पीएचडी छात्रों के आवास का हुआ आवंटन

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के पीएचडी कोर्स (सत्र 2023-24) में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को छात्रावास का आवंटन किया गया। पुरुष अभ्यर्थियों को बलरामपुर छात्रावास एवं होमी जहांगीर भाभा छात्रावास आवंटित किया गया। महिला अभ्यर्थियों को गोल्डन जुबली एवं डॉ. बीआर आंबेडकर छात्रावास में कक्ष का आवंटन हुआ। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा फीस जमा करने की अंतिम तिथि 17 निर्धारित की गई है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ व छात्र। अमृत विचार

मैंने जन्नत तो नहीं देखी, मां देखी है..

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मातृ दिवस

संकाय सदस्यों, विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार किए व्यक्त

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग ने मातृ दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की संयोजक व मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला ने मां के रूप का अहसास कराया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुन्नवर राणा के शेर से हुई। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष ने कहा कि चलती फिरती हुई आंखों से अजां देखी है, मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है। लविवि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्ट्रीट थिएटर और सोशल अवेयरनेस सोसाइटी की ओर से नाटक अदम्य की प्रस्तुति दी गई। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने अपनी मां द्वारा दो बच्चों को अकेले पालने और अपने संगीत करियर को छोड़ने के अनुभव को साझा किया।

विषय विशेषज्ञ डॉ. अर्चना वशिष्ठ ने कहा कि मां एक एहसास है, जिसे हम केवल महसूस कर सकते हैं लेकिन शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते। कार्यक्रम में उपस्थित संकाय सदस्यों, विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान काफी संख्या में छात्र भी उपस्थित रहे।

LOKSATYA PAGE 2

अदम्य' ने संगीतमय नाटक की प्रस्तुति दी

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय की स्ट्रीट थिएटर और सोशल अवेयरनेस सोसाइटी 'अदम्य' ने एक संगीतमय नाटक की प्रस्तुति दी। इसके बाद माताओं से जुड़े व्यक्तिगत अनुभवों को और अधिक उजागर करने के लिए पासिंग द पार्सल का खेल खेला गया। इस खेल में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने अपनी मां के द्वारा दो बच्चों को अकेले पालने और अपने शानदार संगीत करियर को छोड़ने के अनुभव को साझा किया। विषय विशेषज्ञ डॉ. अर्चना वशिष्ठ ने कहा, माँ एक एहसास है जिसे हम केवल महसूस कर सकते हैं लेकिन शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते।

मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला ने अपने समापन भाषण में कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हमें विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से जानने और उनके साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाने में मदद करते हैं। अपने विचारों को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा- ईश्वर हर जगह नहीं हो सकता, इसलिए उसने माताओं को बनाया है।

कार्यक्रम

- **लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में हुआ आयोजन**

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, विषय विशेषज्ञों और जेआरएफ सहित 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया। उन्होंने माताओं से जुड़े कथाएँ और किस्से सुनाए। इसके बाद केक काटने की रस्म हुई। इस कार्यक्रम में पुरानी मीठी यादों और ढेर सारी मस्ती और हंसी का मिश्रण था। सही मायने में यह एक हृदयस्पर्शी कार्यक्रम था।